Nai Dunia (Indore), 14th November 2024, Front Page – Plus 02

आइआइटी इंदौर और नैट्रेक्स करेंगे अनुसंधान पर काम

एमओयू के दौरान उपस्थित आइआइटी और नैट्रेक्स के अधिकारी। • सौजन्य

- आटोमोटिव क्षेत्र में नवाचार व तकनीकी को बढ़ावा मिलेगा
- अत्याधुनिक शोध कर नई तकनीक विकसित कर सकेंगे

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : आइआइटी इंदौर और नेशनल आटोमोटिव टेस्ट ट्रैक्स (नैट्रेक्स) ने संयुक्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह शिक्षाविदों और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ाने, आटोमोटिव क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने में उपयोगी साबित होगा। इस समझौता ज्ञापन पर आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी और नैट्रेक्स के निदेशक डा. मनीष जायसवाल सहित विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग से दोनों संस्थानों की विशिष्टता का लाभ उठाकर अत्याधुनिक शोध किया जा सकेगा, नई तकनीकें विकसित की जा सकेंगी और छात्रों तथा शोधकर्ताओं को बहुमूल्य अवसर प्रदान किए जा सकेंगे।

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन शिक्षा और उद्योग के बीच की आवश्यकताओं को पूरा करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम नवाचार को बढ़ावा देने और सड़क सुरक्षा और ट्रैक पूर्वानुमानित रखरखाव के लिए प्रभावशाली समाधान बनाने के लिए इस सहयोग की क्षमता को लेकर उत्साहित हैं। नैट्रेक्स के निदेशक डा. मनीष जायसवाल ने कहा कि हम आइआइटी इंदौर के साथ साझेदारी करके बहुत उत्साहित हैं।

ये हैं एमओयू के उद्देश्य

- सड़क सुरक्षा, ट्रैक की विशेषताओं को प्रभावित किए बिना ट्रैक पूर्वानुमानित रखरखाव, सामग्री व टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना।
- नई प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देना, सड़क सुरक्षा और ट्रैक के रखरखाव में लागू किया जा सके।
- कार्यशालाओं, सेमिनारों व प्रशिक्षण के माध्यम से आइआइटी इंदौर व नैट्रेक्स के बीच ज्ञान व विशेषज्ञता को सुविधाजनक बनाना।
- छात्रों को नैट्रेक्स सुविधाओं में अनुसंधान परियोजनाओं, इंटर्नशिप और व्यावहारिक प्रशिक्षण में भाग लेने के अवसर प्रदान करना।